प्रतिवेदन
विषय – वाणिज्य

एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा रचित तथा एस.सी.ई.आर.टी. छत्तीसगढ़ द्वारा स्वीकृत व छत्तीसगढ़ शासन द्वारा लागू की गई पाठ्यपुस्तक वाणिज्य पर कक्षा ग्यारहवीं पढ़ाने वाले शिक्षकों का उन्नमुखीकरण कार्यक्रम **शहनाई विसलिंग वुड, रायपुर में संपादित हुआ।**

उन्मुखीरकण 5 चरण में आयोजित किया गया था जो कि निम्नानुसार है–

क्र	विषय	दिनांक	जिला	उपस्थित प्रतिभागियों की संख्या
1	वाणिज्य	05.06.17 से 06.06.17 तक	रायपुर, कांकेर, धमतरी, बस्तर, सुकमा नारायणपुर, कोरबा	371
2	वाणिज्य	07.06.17 से 08.06.17 तक	दुर्ग, राजनांदगांव, सरगुजा, सूरजपुर, कोण्डागांव, दंतेवाडा, जशपुर	502
3	वाणिज्य	12.06.17 से 13.06.17 तक	बिलासपुर, बलौदाबाजार, बेमेतरा, मुंगेली कोरिया, कबीरधाम, बलरामपुर	317
4	वाणिज्य	14.06.17 से 15.06.17 तक	रायगढ, जांजगीर, गरियाबंद, महासमुंद बालोद, बीजापुर	358
5	वाणिज्य	25.07.17 से 26.07.17 तक	समस्त जिला	315

विषय	जिला	लक्ष्य	उपस्थित प्रतिभागियों की संख्या	शेष
वाणिज्य	समस्त जिला	2864	1861	1003

प्रतिभागी – समस्त जिलों की हायर सेकण्डरी शालाओं में कक्षा ग्यारहवीं वाणिज्य पढ़ाने वाले व्याख्याता/ व्याख्याता पंचायत

स्रोत व्यक्ति –

1. श्री ओ.पी. चंद्राकर, प्राचार्य, शा.महा. विद्यालय कुरूद
2. डॉ. विजय अग्रवाल, प्राध्यापक, छ.ग. कालेज, रायपुर
3. डॉ. जी.एल.भरद्वाज, सेवानिवृत अधिष्ठाता, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय,रायपुर
4. डॉ जी. के. देशमुख, सहायक प्राध्यापक, रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर
5. श्री जी. श्रीवास्तव, पी.जी.टी., केन्द्रीय विद्यालय डब्लू आर. एस. कालोनी, रायपुर
6. श्री निशिकांत , पी.जी.टी, हायर सेकेण्डरी, होलीक्रास, कॉपा, रायपुर
7. श्री रीतेश सुराना पी.जी.टी, कृष्णा पब्लिक स्कूल डूंडा, रायपुर
8. रविन्द्र कुमार ठाकुर, पी.जी.टी., केन्द्रीय विद्यालय, क्र.–2 रायपुर
9. श्रीमती सीमा सान्याल, पी.जी.टी., कृष्णा पब्लिक स्कूल डुंडा, रायपुर
10. श्री मंयक लोहाना

उपरोक्त विषयांतर्गत उल्लेखित तिथियों पर शिक्षकों/व्याख्याताओं हेतु 2–2 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें निम्नालिखित बिन्दुओं पर चर्चा की गई –

- श्री विजय अग्रवाल ने वाणिज्य विषय में बही खाते और लेखाकर्म की कई अवधारणाओं को स्पष्ट किया, गाँव में सरपंच की आय–व्यय की जानकारी, बैंक की कार्यशैली एवं पी.पी.पी. मॉडल के बारे में भी जानकारी दी। उन्होनें कहा केवल 'न्यूमेरिकल चार्ट' पर अवलंबित न रहकर अन्य सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पक्षों पर भी ध्यान देना चाहिए।
- श्री रीतेश सहाय द्वारा डबल एण्ट्री सिस्टम एवं डबल अकाउटिंग सिस्टम पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने वाणिज्य के कई तकनीकी पक्षों को सरलतापूवर्क समझाया। NCERT के लेखाशास्त्र भाग–1 तथा भाग–2 के सभी पहुलओं पर विस्तार से चर्चा की।
- श्री जीवन लाल भरद्वाज जी ने भारतीय अर्थशास्त्र के इतिहास क्रम की जानकारी दी तथा डॉ. भरद्वाज द्वारा आर्थिक विकास की नीतियों, नीति आयोग, महिला पुरूष असमानता, युवाशक्ति, संसाधन, प्राथमिक्ता चयन, हरित क्रांति आदि पर चर्चा की गई।
- श्रीमती सीमा सान्याल पी.जी.टी., कृष्णा पब्लिक स्कूल डूंडा, रायपुर द्वारा अर्थशास्त्र में सांख्यकी, विधियों के उपयोग द्वारा अध्याय 01 से अध्याय 09 तक सभी पाठों को क्रमशः किस तरह बच्चों के सम्मुख रखा जाये। बच्चों को किन–किन पाठों में व वहाँ–वहाँ दिक्कते आती है पर बात किया गया।

NCERT के पाठ्यपुस्तकों पर अभिमत –

- पिछले वर्षों तक लेखन की मान्यताएँ चार भागों में विभक्त कर प्रस्तुत की जाती रही है।
- लेखाकंन के सिद्धांतों और उन सिद्धांतों के गुणों का समावेश किया गया था सिद्धांतो में रूढ़िवादिना, ऐतिहासिक लागत, आगम निर्धारण उपार्जन क्षमता का सिद्धांत शामिल था।
- सिद्धांतों के गुणों में तर्क संगतता, विश्वसनीयता वस्तुनिष्ठता, सारता आदि शामिल थे।
- NCERT की पुस्तकों में इन्हें एक साथ सम्मिलित किया गया है।
- लेखाशास्त्र भाग – 1 कम्प्यूटर परिचय एवं DBMS कार्य प्रणाली पर सामग्री दी गई है। टेली का वर्तमान पैकेज अध्ययन की दृष्टि से ज्यादा उपयुक्त हो सकता है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में प्रोजेक्ट वर्क करना छात्रों के लिए अधिक कठिन हो सकता है।
- बिजनेस स्टडीज पर पावर प्रेजेन्टेशन तैयार कर बच्चों को इसकी व्यावहारिक जानकारी दी जा सकती है और इस तरह बच्चों को वर्तमान व्यवसाय की जानकारी उपलब्ध करायी जा सकती है।
- सी.बी.एस.ई. की पुस्तकों में 90 + 10 नबंर का प्रावधान है। यह 10 अंक बच्चों को किस तरह दिया जाए यह बताया जाए।

- विज्ञान में मॉडल बनाया जाता है वाणिज्य समूह के छात्रों के लिए भी मॉडल बनाने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। शिक्षण अधिगम सामग्री बनाना चाहिए। वाणिज्य के लिए प्रयोगशाला हों एवं कामर्स एकाउन्टेन्सी में केलकूलेटर की अनुमति हो।
- बैंक में डी.डी. वगेरह बनवाया जाता है ऐसी बातों पर व्यवहारिक ज्ञान दिया जाना उचित होगा।
- पुस्तकों में नाम की सार्थकता दिखाई देती है। हम चाहते है व्यवसाय अध्ययन के अन्तर्गत औद्योगिक भ्रमण की सुविधा दी जाये ताकि छात्र प्रोसेसिंग को समझ सकें, प्रतिष्ठित व्यवसायी से परिचय प्राप्त कर सकें।
- कक्षा 9वी एवं 10वी में भी वाणिज्य की पढ़ाई होनी चाहिए।

चुनौतियाँ :–

- कम्प्यूटर से संबंधित पाठों के लिए पृथक से शिक्षक की व्यवस्था की जानी चाहिए।
- सी.बी.एस.ई. पाठ्यक्रम की असफलता से हम डरे हुए थे परन्तु प्रचलित किताबें व एन.सी.ई.आर.टी. की किताबों में केवल 40 प्रतिशत अंतर को देखकर हम संतुष्ट है क्योंकि 11वीं स्तर के बच्चों को इस तरह की विषय वस्तु दिए जाने चाहिए।
- चार अध्यायों 11,12.13.14 को लेकर हम चिंतित है कैसे कर पायेंगे विद्यालयों में भी कम्प्यूटर नहीं है। अतः पहले विद्यालयों को कम्प्यूटर उपलब्ध कराया जाए।